



दोस्त की बीवी को दिया बच्चे का गिफ्ट

“पड़ोस में मेरा एक दोस्त की बीवी शादी के दस साल बाद भी मां नहीं बन पा रही थी. एक दिन उसने इस बारे में मुझसे बात की. मैंने किस तरह से उसकी समस्या का समाधान किया. ...”

Story By: (manishpremi)

Posted: Monday, April 1st, 2019

Categories: [हिंदी सेक्स स्टोरी](#)

Online version: [दोस्त की बीवी को दिया बच्चे का गिफ्ट](#)

दोस्त की बीवी को दिया बच्चे का गिफ्ट

कैसे हो दोस्तो ? सभी चूतधारी और लंडधारियों को मेरे खड़े हुए लंड का प्रणाम ! मैं अंतर्वासना पर कहानियाँ पिछले चार साल से पढ़ रहा हूँ. मगर आज मैं अपनी पहली कहानी यहाँ पर शेयर करने जा रहा हूँ. अगर कहानी में कोई गलती हो जाये तो मुझे माफ कर दीजिएगा.

अब मैं अपने बारे में कुछ जानकारी आप लोगों को दे देता हूँ. मेरा नाम मनीष है. मैं जामनगर, गुजरात से हूँ. प्यार से लोग मुझे 'प्रेमी' बुलाते हैं. मेरा रंग गोरा है और मेरा कद पांच फीट चार इंच है.

लंड से चूत में मजे लेने वाली सारी ही गर्म चूत मेरी दीवानी हो गयी हैं. मेरे लंड पर एक तिल भी है जो मेरे लंड को और ज्यादा आकर्षक बना देता है. अब अपनी और तारीफ करके मैं आपको बोर नहीं करूंगा और कहानी पर आता हूँ. अन्तर्वासना सेक्स स्टोरीज़ को धन्यवाद देना चाहता हूँ कि इस साइट ने मुझे यह कहानी लिखने के लिए प्रेरित किया. पहले मैं पाठक था मगर अब अपनी स्वयं की कहानी लिखने के काबिल हो गया हूँ.

पहले मैं उस चूत से आपका परिचय करवा देता हूँ जिसके बारे में यह कहानी मैं बता रहा हूँ. उसका नाम चांदनी (बदला हुआ) है. वह मेरी भाभी लगती है. उनका मकान हमारे बगल में ही है. यह वाकया आज से दो साल पहले का है. कहानी को आगे बढ़ाने से पहले मैं आपको भाभी के बदन का नाप भी बता देता हूँ. भाभी की हाइट चार फीट और सात इंच है. उसका फिगर 30-28-30 का ही है. फिगर से आप समझ गये होंगे कि भाभी दुबली-पतली ही है. भाभी की उम्र 36 साल के करीब है.

भाभी के पति से मेरी अच्छी दोस्ती थी. उनकी शादी को दस साल हो चुके थे मगर अभी तक भाभी को बच्चे का सुख नहीं मिल पाया था. भाभी ने बहुत से मेडीकल टेस्ट करवाए

मगर फिर भी कोई फायदा नहीं हुआ. इस कारण से भाभी का पति अक्सर उदास सा रहता था.

एक दिन की बात है जब मैं और भाभी का पति बातें कर रहे थे. बातों ही बातों में मैंने पूछा तो उसके पति ने अपनी परेशानी मेरे सामने बता दी.

तकनीकी का ज़माना है तो मैंने उनको आई.वी.एफ. के बारे में बता दिया. मगर दिक्कत एक और भी थी. आई.वी.एफ काफी महंगा होता है. उसका खर्च चांदनी का पति उठाने के लिए तैयार नहीं हो पा रहा था.

मगर जैसे-तैसे करके मैंने उसको डॉक्टर से बात करने के लिए भेज दिया. वह बात करके तो आ गया मगर उसने आकर मुझे कुछ भी नहीं बताया कि आखिर डॉक्टर से उसकी क्या बात हुई. वह चुपचाप निकल गया.

फिर एक दिन भाभी मेरे ऑफिस के पास मुझे मिल गई. यूँ तो भाभी से मेरी बात न के बराबर ही होती थी. उस दिन मगर मैंने थोड़ी हिम्मत करने की सोची. मैं सोच रहा था कि जिस औरत से मेरी ठीक ढंग से बात भी नहीं होती उससे ऐसे गंभीर मामले के बारे में कैसे बात करूंगा. मगर मैंने अपने मन को समझा लिया कि मैं तो उनकी मदद करने के लिए उनसे बात करना चाहता हूँ.

अब मेरे अंदर थोड़ी हिम्मत आ गयी थी और मैंने भाभी को बात करने के लिए रोक लिया.

मैंने कहा- हैल्लो भाभी, आज इस तरफ कैसे आना हुआ ?

भाभी- अरे, आप कैसे हो ?

भाभी ने स्माइल देते हुए पूछा ।

मैंने कहा- आप आज इस तरफ कैसे ?

भाभी- बस, मैं तो शॉपिंग करने के लिए आई थी. आप कैसे हो ?

मैंने कहा- बस अभी तक तो ठीक ही हूँ. अगर आप बुरा न मानें तो मैं आपसे एक बात

पूछना चाहता हूँ.

भाभी- हाँ, पूछिये, क्या बात है ?

मैं- उस दिन डॉक्टर ने भाई साहब से क्या कहा ?

भाभी थोड़ा हिचकते हुए बोली- डॉक्टर ने कहा है कि हो जायेगा मगर ...

मैं- मगर क्या भाभी ?

भाभी- हम उसका खर्च नहीं दे सकते अभी.

मैंने कहा- ओह्ह ... जी मैं समझ गया.

यह सुनने के बाद भाभी वहाँ से चली गयी.

भाभी तो चली गई मगर मेरे मन में भाभी के लिए एक लहर सी उठी. मैं भाभी को खुश करना चाहता था.

किस्मत को भी शायद यही मंजूर था इसलिए दो दिन के बाद भाभी दोबारा मुझसे उसी जगह पर टकरा गई.

मैंने पूछा- भाभी, आज फिर शॉपिंग ?

चांदनी- नहीं, मनीष मैं दरअसल यहाँ पर अपनी एक सहेली के पास आई हुई थी.

मैंने पूछा- आपकी कौन सी सहेली है मेरे ऑफिस के पास ? मुझे भी बताइये न, मैं भी उनसे मिल लूंगा.

भाभी थोड़ी हिचकने लगी और कहने लगी- नहीं, अभी तो मैं जल्दी में हूँ. मैं आपको फिर किसी दिन उनसे मिलवा दूंगी.

मैं भाभी के उस व्यवहार को समझ नहीं पाया. वह थोड़ी घबरा रही थी.

दो-तीन दिन के बाद भाभी फिर मुझे ऑफिस के पास से गुजरती हुई मिली.

अब हम दोनों में वह अजनबी वाली बात नहीं रह गयी थी.

मैंने पूछा- सहेली के पास आई थीं भाभी ?

चांदनी- हाँ.

मैं- क्या आप मेरे साथ चाय पीना पसंद करेंगी ?

चांदनी- हाँ, इसमें पूछने वाली क्या बात है. आप तो मेरे हस्बैंड के अच्छे दोस्त हो.

हम दोनों चाय के स्टॉल पर चले गये और दो चाय बनवा ली मैंने.

आज मेरे मन में कुछ अजीब सी फीलिंग आ रही थी. मैं भाभी के साथ और ज्यादा खुलने के बारे में विचार कर रहा था. भाभी मुझसे कुछ छिपा रही थी. मैं उनका विश्वास जीत कर उनके मन की बात जानना चाहता था.

मैंने पूछा- भाभी, आप उस दिन थोड़ी घबराई हुई लग रही थीं.

चांदनी- नहीं तो, मैं तो बस ऐसे ही कुछ सोच रही थी.

मैं- कोई परेशानी है क्या आपके जिंदगी में ?

चांदनी- क्या बताऊं मनीष, उस दिन जब मैं अपनी सहेली के यहाँ से आ रही थी तो उसने मुझे एक ऐसी बात बोली कि मैं सोच में पड़ गई हूँ.

मैंने कहा- अगर आप मुझे भरोसे के लायक समझती हैं तो मुझे बता सकती हैं.

चांदनी- मनीष, मेरी वह सहेली मुझसे कह रही थी कि बच्चा पैदा करने का एक सस्ता उपाय भी है.

मैंने कहा- अरे वाह, यह तो अच्छी बात है. कौन सा तरीका है ? क्या बताया आपकी दोस्त ने ?

चांदनी- अगर मैं किसी और पुरुष के साथ संबंध बना लूँ तो मुझे बच्चा हो सकता है.

भाभी के मुँह से यह बात सुनकर मेरा लंड तो वहीं पर टाइट होने लगा और कुछ ही पल में मेरी पैंट में तन कर एक तरफ निकल आया.

मैं थोड़ा घबराया और मैंने पूरी कोशिश की अपने तनाव को छिपाने की. मगर भाभी ने मेरे खड़े लंड को शायद देख लिया था.

मैंने कहा- मगर आप किसी और के साथ करने के लिए तैयार हैं क्या ?

चांदनी- वही तो समस्या है. मैं किस पर विश्वास कर सकती हूँ ?

मेरे मुंह से निकल गया- मुझ पर !

चांदनी- तुम पागल हो गये हो क्या ? मेरे पति तुम्हारे इतने अच्छे दोस्त हैं और तुम मेरे बारे में ऐसा सोच रहे हो ? भाभी ने गुस्से भरे लहजे में कहा ।

मेरी बोलती वहीं पर बंद हो गई. मगर अब मेरी शर्म खुल चुकी थी. खड़े लंड के बहाव में मैंने जेब से अपना कार्ड निकाला और भाभी के हाथ में देकर ऑफिस की तरफ आ गया. मुझे पता नहीं क्या हो गया था भाभी की बात सुनकर कि मेरे अंदर की हवस जाग गई थी. मगर भाभी की आंखों का गुस्सा देखकर गांड भी फटी जा रही थी कि जोश-जोश में क्या कर दिया.

मैंने कहा- भाभी, आपसे मैंने पहले ही पूछा था कि आप बुरा नहीं मानेंगी इसलिए मैंने आपसे ये सब कहा.

भाभी को इतनी बात बोल कर मैं चुपचाप वहाँ से खिसक लिया.

जब भी भाभी सामने आती थी तो मैं अपना मुंह छिपा कर निकल जाता था. मैं भाभी से नजर नहीं मिला रहा था. मगर मेरे मन में तो था कि भाभी के दिल की बात जान लूँ. मैं जानना चाहता था कि भाभी क्या अभी भी मुझसे नाराज ही हैं ?

उसके बाद कुछ दिन ऐसे ही निकल गये. एक दिन जब मैं सोकर उठा तो देखा कि चांदनी भाभी मेरे घर में आई हुई है.

मैंने उठ कर देखा तो हैरान रह गया. चांदनी भाभी वैसे देखने में इतनी सुंदर नहीं है मगर मैंने कभी किसी की चूत की चुदाई नहीं की थी इसलिए मुझे तो चांदनी भाभी भी सुंदर लगती थी.

जब उठ कर बाहर आया तो माँ ने कहा कि मुझे चांदनी भाभी के साथ उनके घर जाना है

कुछ सामान लाने के लिए, माँ ने मुझे जल्दी तैयार होने के लिए कह दिया. जब तक मैं बाहर आया तो भाभी जा चुकी थी.

माँ ने मुझे भाभी के घर जाने के लिए कह दिया.

मैंने भाभी के घर पर जाकर बेल बजाई तो भाभी ने दरवाजा खोला और मैंने पूछा- भाभी आपने बुलाया था किसी काम के लिए ?

भाभी- तुम नहीं जानते क्या मुझे तुमसे क्या काम हो सकता है ?

भाभी ने दरवाजा बंद करते हुए कहा.

मैंने कहा- भाभी मैं आपकी बात समझा नहीं.

भाभी- अच्छा, अब इतने अन्जान मत बनो मनीष. उस दिन मैंने तुम्हारी पैंट में देख लिया था.

मैंने कहा- क्या देख लिया था ?

भाभी हँसते हुए बोली- तुम्हें नहीं पता क्या ?

मैं- नहीं भाभी, मैं तो यहाँ इसलिये आया था कि माँ ने बताया कि बाजार से आपके लिए कुछ सामान लेकर आना है. बताइये क्या सामान लेकर आना है ?

भाभी बोली- बच्चा लाना है !

यह कहकर भाभी ने मेरी तरफ आंख मार दी.

मैं भाभी का इशारा समझ गया और भाभी को वहीं पर पकड़ कर किस करने लगा.

भाभी- अरे सुनो तो ...

भाभी ने मुझे पीछे हटाते हुए कहा.

मैंने भाभी के बूँस पर हाथ रख लिये और पूछा- कहिये भाभी.

चांदनी- पहले वादा करो कि तुम यह सब किसी को नहीं बताओगे.

मैंने भाभी के बूँस को दबाते हुए कहा- भाभी जान ... आपकी कसम किसी को नहीं

बताऊंगा.

यह सुनकर भाभी ने मेरी पैंट में तने हुए मेरे लंड को ऊपर से ही छू लिया और अपने हाथ से सहलाना शुरू कर दिया. मेरा लंड तो पहले से फटा जा रहा था. मैंने भाभी को गोद में उठा लिया और भाभी को उसके बेडरूम में ले गया.

अंदर ले जाते ही मैंने भाभी को पूरी नंगी कर दिया और उसको चूसने लगा. भाभी भी मेरा पूरा साथ देने लगी. कुछ ही पल के बाद भाभी ने मेरे कपड़े भी उतार दिये और मुझे भी पूरा नंगा कर दिया. मैंने भाभी को बेड पर धकेल दिया और उसके बदन को चूमने लगा. वह मेरे बालों से खेलने लगी.

मैं भाभी के बूब्स को मुंह में लेकर चूसने लगा. चूसते हुए भाभी ने मुझे नीचे की तरफ धकेल दिया. मैंने भाभी की चूत पर किस कर दिया. भाभी की छोटी सी योनि पर किस करते ही भाभी ने मेरे मुंह को उनकी योनि पर दबा दिया और कहने लगी कि इसे चूस लो. मैंने मना कर दिया.

मुझे योनि को चाटना बिल्कुल अच्छा नहीं लगता था. उसके बाद भाभी ने मेरे लंड को अपने मुंह में ले लिया और चूसने लगी. मेरा लंड पहली बार किसी औरत के मुंह में गया था इसलिए मैं जल्दी ही अपना संयम खो बैठा और मैंने भाभी के मुंह में वीर्य निकाल दिया. उसके बाद भाभी ने मेरे लंड को अपने हाथ में ले लिया और फिर से मेरे लंड के साथ खेलने लगी.

भाभी मेरे लंड से खेलते हुए बोली- मुझे मां बना दो प्लीज ...

मेरा लंड अब दोबारा से खड़ा हो चुका था. मैंने देर नहीं की और पोजीशन बना कर उसकी चूत में लंड डालना शुरू कर दिया. मगर मेरा पहली बार था तो लंड अंदर नहीं जा पा रहा था. भाभी यह देख कर हँसने लगी. भाभी मेरे लंड को पकड़ कर अपनी चूत पर सेट करने

लगी.

सेट करने के बाद भाभी ने मुझे आंख मार दी. मैं भाभी का इशारा समझ गया और मैंने भाभी की चूत में धक्का लगा दिया.

भाभी चिल्ला उठी. कहने लगी- आराम से करो, तुम्हारा तो मेरे पति से बहुत मोटा है. मुझे दर्द हो रहा है.

उसके बाद जब तक चांदनी भाभी नॉर्मल नहीं हो गयी मैं उसको किस करता रहा. उसके बाद मैंने भाभी की चूत को चोदना शुरू कर दिया. भाभी अब मेरा साथ देने लगी थी.

कुछ देर की चुदाई के बाद हम दोनों ही साथ में झड़ गये. मैंने भाभी की चूत को अपने वीर्य से भर दिया.

उसके बाद मैं भाभी के ऊपर से उठा अपने कपड़े पहन कर अपने घर चला गया.

दो दिन के बाद भाभी का फिर से कॉल आया. भाभी ने फोन पर बताया कि उसका पति दो दिन के लिए बाहर जा रहा है. अबकी बार हम कुछ नया करेंगे. यह कहकर भाभी ने फोन रख दिया.

मैं सोचने लगा कि भाभी के साथ क्या नया करना चाहिए ? उसके बाद मेरे दिमाग में एक आइडिया आया. मैंने भाभी को बताया कि उनके पति के जाने के बाद वह मेरे फोन पर कॉल करे,

भाभी ने पति के जाने के बाद कॉल किया तो मैंने भाभी से कहा कि वह नीचे मेरी गाड़ी में आकर बैठ जाए.

कुछ देर के बाद भाभी नीचे आ गई और अपने घर को लॉक करके मेरी गाड़ी में आकर बैठ गई.

उसके बाद मैं भाभी को अपने कस्बे से दूर बाहर के एरिया में ले गया. वहाँ पर खेत थे.

इससे पहले हम गाड़ी से बाहर निकलते भाभी ने मेरी पैट से मेरे लंड को निकाल लिया और गाड़ी के अंदर ही मेरे लंड को मुंह में लेकर चूसने लगी.

भाभी ने कुछ ही मिनटों में मेरे लंड का वीर्य अपने मुंह में निकलवा दिया. उसके बाद भाभी गाड़ी से बाहर उतर गई. हम खेत में पहुंच गये थे. मैंने गाड़ी से बाहर आकर पूछा- कैसा लगा भाभी सरप्राइज ?

भाभी बोली- यह किसका खेत है मनीष ?

मैंने कहा- मेरा ही खेत है भाभी ; और पास में ही एक तबेला भी है. उसमें हम लोग भैंस रखते हैं.

उसके बाद हम लोग तबेले की तरफ चले गये. अंदर जाकर मैंने भाभी के बूक्स को दबाना शुरू कर दिया. भाभी के मुंह से कामुक सिसकारियाँ निकलने लगीं. आहूह ... दबाओ मेरे बूक्स को मनीष. पी लो इनको.

उसके बाद मैंने भाभी को नंगी कर दिया. भाभी ने मेरा लंड निकाल कर अपने मुंह में ले लिया और उसे चूसने लगी. नंगी भाभी मेरे पास नीचे बैठ कर मेरे लंड को चूस रही थी. कुछ ही देर में भाभी अपनी चूत को सहलाने लगी और बोली- बस मनीष, अब मुझसे रहा नहीं जा रहा है. अब मेरी चूत का भी कुछ करो.

मैंने कहा- ठीक है भाभी, मगर आपको मेरी एक बात आज माननी पड़ेगी.

वह बोली- मैं तुम्हारी हर बात मानने के लिए तैयार हूँ मगर अभी मेरी चूत का कुछ करो.

मैंने भाभी को घोड़ी बना दिया और उसकी चूत में लंड को पेल दिया. कुछ देर के अंदर ही भाभी की गर्म चूत ने पानी छोड़ दिया. मैंने अपने गीले लंड को बाहर निकाल लिया और भाभी की गांड पर थूक लगाने लगा. मैंने भाभी की गांड पर अच्छे से थूक लगा दिया और अपने लंड को चांदनी भाभी की गांड के छेद पर सेट कर दिया.

जैसे ही मैंने भाभी की गांड में लंड को अंदर धकेला भाभी की चीख निकल गई.

मैंने भाभी को पकड़ लिया और कहा- बस भाभी हो गया. अब और ज्यादा दर्द नहीं होगा. मैंने कुछ देर रुक कर भाभी की गांड में लंड को आगे-पीछे करना शुरू कर दिया. कुछ ही देर में हम दोनों के मुंह से ही कामुक आवाजें निकलने लगीं.

हमारी कामुक आवाजों को हमारे अलावा पास में बंधी हुई भैंसें भी सुन रही थीं. भैंसें हमारी तरफ ही देख रही थीं. चुदाई का बहुत मनमोहक नजारा बन गया था जिसके अहसास से मैं जल्दी ही झड़ गया. मैंने भाभी की गांड को अपने वीर्य से भर दिया.

मेरा लंड वीर्य से सन गया था. बहुत मजा आया दोनों को. उसके बाद हम दोनों गाड़ी की तरफ जाने के लिए चलने लगे तो भाभी से चला भी नहीं जा रहा था. मैंने कपड़े पहनने के बाद भाभी को गोद में उठाया और उसको गाड़ी में बैठा दिया. फिर बीच रास्ते में ही मैं भाभी को उतार कर चला गया ताकि किसी को हमारे ऊपर शक न हो.

उसके बाद अगले दिन फिर से भाभी का फोन आ गया. मैं भाभी के घर गया तो उसने जाते ही मुझे किस करना शुरू कर दिया. कुछ ही देर में हम दोनों नंगे हो चुके थे. मैंने भाभी को बेड पर पटक दिया और उसकी चूत में लंड को पेल दिया. फिर मैंने भाभी को डॉगी स्टाइल में चोदना शुरू किया.

कुछ मिनट तक पीछे से भाभी की चुदाई करने के बाद मैंने लंड को एकदम से भाभी की गांड में घुसा दिया. अब मैं लंड को बारी-बारी से कभी गांड में डाल देता तो कभी चूत में पेल देता. मैं भाभी की चूत और गांड को रौंदने लगा. भाभी कराहने लगी. कुछ देर के बाद जब मैंने लंड को बाहर निकाला तो पता चला भाभी इस बीच में तीन बार झड़ चुकी थी. भाभी बोली- बस करो मनीष, मेरी चूत में जलन हो रही है. अब मैं और चुदाई नहीं करवा सकती.

मुझे भाभी पर दया आ गई.

भाभी बोली- मैं तुम्हारे लंड को चूस कर उसका पानी निकाल दूँगी. मगर अब मैं और चुदाई नहीं करवा सकती.

भाभी ने मेरे लंड को मुंह में लेकर चूसना शुरू कर दिया. मैंने भाभी की गांड को अपनी तरफ घुमा लिया और मैं भाभी की चूत को चाटने लगा. भाभी कुछ ही देर में फिर से गर्म हो गई. हम दोनों ही एक दूसरे को चूस-चूस कर मजा देने लगे.

मुझे आज भाभी की चूत को चूसने में मजा आ रहा था और दूसरी तरफ भाभी मेरे लंड को चूस कर मुझे और भी मजा दे रही थी. मैं पांच मिनट के बाद भाभी के मुंह में झड़ने लगा और भाभी की चूत का पानी भी मेरे होंठों पर आकर उनको गीला करने लगा.

उस दिन हम दोनों बहुत थक गये थे. मगर मैंने भाभी की चूत को अच्छी तरह से संतुष्ट कर दिया था. भाभी की गांड चुदाई करके भी बहुत मजा आया. भाभी को भी अपनी गांड चुदवाने में मजा आने लगा था. उसके बाद तो हमारे बीच में यह चुदाई का खेल अक्सर चलने लगा.

जब उसके हस्बैंड वापस आ गये तो हम रात में मौका देखकर गाड़ी में चुदाई कर लिया करते थे. कभी मैं भाभी को अपने घर पर बुला कर चोद देता था.

एक महीने के बाद चांदनी ने मुझे बताया कि वह प्रेगनेंट हो गई है. उसकी आंखों की खुशी देख कर मेरी आंखों में भी आंसू आ गये. मैंने उसको गले से लगा लिया और उसके होंठों को चूम लिया.

मैं भी खुश था कि वह मेरे बच्चे की माँ बनने वाली है. चांदनी भाभी भी खुश थी कि मैं उसके बच्चे का पापा बनने वाला था.

यह थी सेक्सी भाभी के साथ मेरी कहानी. अगली कहानी में मैं आपको बताऊंगा कि चांदनी भाभी की मदद से मैंने और भी तीन औरतों को बच्चे गिफ्ट किये.

अगर कहानी में कोई गलती हो तो मुझे माफ करना. कहानी पर अपनी राय जरूर दें. मैंने अपना मेल आईडी नीचे दिया हुआ है.

manishpremi1990@gmail.com

Other stories you may be interested in

जिम में भाभी से दोस्ती के बाद चुदाई

नमस्कार दोस्तो, मेरा नाम प्रवीण शर्मा है. मेरी उम्र 25 वर्ष और मेरी लंबाई 5 फुट 11 इंच है. मैं मध्यप्रदेश के जबलपुर का रहने वाला हूँ. मैं जिम जाने का शौक रखता हूँ, इसलिए मेरी बाँडी फिट है. अन्तर्वासना [...]

[Full Story >>>](#)

पड़ोस की भाभी की गर्म चूत में मेरा लंड-2

मेरी सेक्स कहानी के पहले भाग पड़ोस की भाभी की गर्म चूत में मेरा लंड-1 में आपने पढ़ा कि कैसे मैंने अपने पड़ोस की एक भाभी को पहले कपड़े बदलते अधनंगी देखा, फिर उसे किसी गैर मर्द से चुदाई करवाते [...]

[Full Story >>>](#)

पड़ोस की भाभी की गर्म चूत में मेरा लंड-1

दोस्तो, यह मेरी पहली कहानी है, उम्मीद करता हूँ आपको पसन्द आएगी. कहानी आरम्भ करने से पहले मैं अपने बारे में बता देना चाहता हूँ. मेरा नाम प्रणय है. मेरी उम्र 20 साल है और कद 6 फुट का है. [...]

[Full Story >>>](#)

जवान लड़की के पहले चुम्बन का अहसास-3

अभी तक आपने पढ़ा था कि अंकल ने मेरी कच्ची जवानी को एकदम गरम कर दिया था. मुझे खुद उनसे ये सब करवाने में मजा आने लगा था. आज मेरी चूत के इलाके की चुम्मी लेने का दिन था. अब [...]

[Full Story >>>](#)

जाटनी के बाद दूसरी स्कूल गर्ल की पलंग तोड़ चुदाई-3

दोस्तो, मैं आपका रवि खन्ना, एक बार फिर से नीरजा के बाद अमीषी की पलंग तोड़ चुदाई का अगला भाग लेकर हाजिर हूँ. जिसने इस कहानी के पहले के पार्ट नहीं पढ़े, वो पढ़ लें, तभी आपको सारी स्टोरी समझ [...]

[Full Story >>>](#)

